ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

जनसंपर्क कार्यालय

PUBLIC RELATIONS OFFICE

आज़ादी का अमृत महोत्सव

हिंदी विश्वविद्यालय में जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन

जनजातीय धरोहर का उत्सव पर हुआ व्याख्यान

जनजातीय नायकों पर आधारित चित्र प्रदर्शनी का हुआ उद्घाटन

देश के समृद्ध जनजातीय इतिहास को सामने लाने की जरूरत : प्रो. टी.वी. कट्टीमणि

वर्धा, 11 नवंबर 2025 : जी.बी. पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान, प्रयागराज के अध्यक्ष एवं केंद्रीय आदिवासी विश्वविद्यालय, आंध्रप्रदेश तथा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक के पूर्व कुलपति प्रो. टी.वी. कट्टीमणि ने कहा कि भारत में जनजातीय समाज के समृद्ध इतिहास को सामने लाने की जरूरत है। जनजातीय समाज में मुक्त मानसिकता होने के कारण वे मुक्त जीवन जीना चाहते हैं। प्रो. टी.वी. कट्टीमणि महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में जनजातीय गौरव दिवस के उपलक्ष्य में

मंगलवार 11 नवंबर को ग़ालिब सभागार में 'जनजातीय धरोहर का उत्सव' विषय पर आयोजित व्याख्यान में बतौर मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. कुमुद शर्मा ने की। प्रो. कट्टीमणि ने बिरसा मुंडा के आज़ादी की लडाई में योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि धरती आबा के नाम से परिचित बिरसा मुंडा जनजातीय गौरव का संकेत है। सामान्य परिवार में जन्मे बिरसा मुंडा ने अंग्रेजों के खिलाफ आवाज उठायी। भारत सरकार ने उनके त्याग और बलिदान के कारण उनके जन्म दिवस को

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत

ई-मेल/E-mail: pro.mgahv@hindivishwa.ac.in **वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org**

दूरभाष :+91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305

जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का निर्णय किया। उन्होंने बिरसा मुंडा के साथ-साथ जनजातीय समाज के अन्य लोगों के संघर्ष को भी याद किया। उन्होंने आदिवासी वाद्य, संगीत, कला, चित्रकारी आदि की चर्चा करते हुए आह्वान किया कि आदिवासी संस्कृति

को सामने लाने के लिए इन विषयों पर लिखना आवश्यक है। आदिवासी भाषाओं की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि हिंदी भाषा के विस्तार के लिए आदिवासी का तडका जरूरी है। यदि हम उनकी समृद्ध भाषा, औषधी ज्ञान और पाक-कला आदि पर काम करते हैं तो हम 50 वर्षों तक अपना भविष्य बना सकते हैं। उनका कहना था कि आदिवासी अध्ययन एक अक्षय पात्र है, जिसपर हमें निरंतर अध्ययन करना चाहिए। इससे जनजातियों में जागृति, एकता और शिक्षा को प्रोत्साहित किया जा सकता है।

अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो. कुमुद शर्मा ने कहा कि राष्ट्रनिर्माण में आदिवासियों की भूमिका को ठीक से नहीं उठाया गया। हमें हिंदी के विस्तार के लिए उनकी भाषाओं पर काम करना चाहिए। आदिवासियों की संस्कृति और उत्सव हमें उनकी समृद्ध विरासत का परिचय कराते हैं। विकसित भारत के लक्ष्य के लिए हमें उनका आदर्श अपनाकर चलना चाहिए। प्रो. कट्टीमणि का स्वागत कुलपति प्रो. कुमुद शर्मा ने शॉल, विश्वविद्यालय का प्रतीक चिन्ह एवं सूतमाला देकर किया। अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं बिरसा मुंडा के फोटो पर पुष्पअर्पित कर अभिवादन किया गया।

व्याख्यान से पूर्व जनजातीय नायकों पर आधारित चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन कुलपति प्रो. कुमुद शर्मा तथा प्रो. टी.वी. कट्टीमणि द्वारा अटल बिहारी वाजपेयी भवन में किया गया। यह प्रदर्शनी 15 नवंबर तक सभी के लिए खुली रहेगी। कार्यक्रम का स्वागत भाषण संस्कृति विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. अवधेश कुमार ने किया। संचालन हिंदी साहित्य विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. सुनील कुमार ने किया तथा कुलसचिव क़ादर नवाज़ ख़ान ने आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम का प्रारंभ कुलगीत से तथा समापन राष्ट्रगान से किया गया। इस अवसर पर अध्यापक, कर्मचारी, शोधार्थी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्यामें उपस्थित थे।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
जनसंपर्क कार्यालय
PUBLIC RELATIONS OFFICE

हिंदी विश्वविद्यालयात जनजाती गौरव दिनाचे आयोजन

जनजाती वारशाचा उत्सव विषयावर व्याख्यान आणि चित्रप्रदर्शनाचे उद्घाटन

देशाच्या समृद्ध जनजाती इतिहासाला समोर आणणे आवश्यक : प्रो. टी. व्ही. कट्टीमणी

वर्धा, 11 नोव्हेंबर 2025 : भारतातील समृद्ध जनजाती समाजाचा इतिहास उजेडात आणण्याची गरज आहे. जनजाती समाज मुक्त विचारसरणीचा असून ते स्वातंत्र्यपूर्ण जीवन जगू इच्छितातअसे प्रतिपादन जी. बी. पंत सामाजिक विज्ञान संस्था, प्रयागराजचे अध्यक्ष तसेच केंद्रीय आदिवासी विश्वविद्यालय, आंध्रप्रदेश आणि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजाती विश्वविद्यालय, अमरकंटकचे माजी कुलगुरू प्रो. टी. व्ही. कट्टीमणी यांनी केले. प्रो. कट्टीमणी हे महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्व विद्यालयात जनजाती गौरव दिनानिमित्त मंगळवार, 11 नोव्हेंबर रोजी गालिब सभागृहात जनजाती वारशाचा उत्सव या विषयावर आयोजित व्याख्यानात प्रमुख वक्ते म्हणून बोलत होते. कार्यक्रमाच्या अध्यक्षस्थानी कुलगुरू प्रो. कुमुद शर्मा होत्या. भाषणात प्रो. कट्टीमणी यांनी बिरसा मुंडा यांच्या स्वातंत्र्यलढ्यातील योगदानाचा उल्लेख करत सांगितले की धरती आबाम्हणून ओळखले जाणारे बिरसा मुंडा हे जनजाती अभिमानाचे प्रतीक आहेत. सामान्य कुटुंबात जन्मलेले बिरसा मुंडा यांनी इंग्रजांच्या अत्याचाराविरुद्ध आवाज उठविला. त्यांच्या त्याग व बलिदानाच्या स्मरणार्थ भारत सरकारने त्यांच्या जयंतीला जनजाती गौरव दिन म्हणून साजरा करण्याचा निर्णय घेतला आहे. प्रो. कट्टीमणी यांनी बिरसा मुंडा यांच्यासह इतर अनेक जनजाती नायकांच्या संघर्षांची आठवण करून दिली. त्यांनी आदिवासी वाद्य, संगीत, कला, चित्रकला आदींचा उल्लेख करत आवाहन केले की आदिवासी संस्कृतीला प्रोत्साहन देण्यासाठी या विषयांवर लेखन करणे आवश्यक आहे. आदिवासी भाषांच्या संदर्भातते म्हणाले की हिंदी भाषेच्या विस्तारासाठी आदिवासी भाषांचा तडका आवश्यक आहे. त्यांच्या समृद्ध भाषा, औषधी ज्ञान आणि पाककलेवर संशोधन केल्यास पुढील ५० वर्षांसाठी आपले भविष्य मजबूत होईल. त्यांच्या मते आदिवासी अध्ययन हे एक अक्षय पात्र आहे, ज्यावर सातत्याने संशोधन झाले पाहिजे. यामुळे जनजाती समाजात जागृती, एकता आणि शिक्षणाला चालना मिळेल.

अध्यक्षीय भाषणात कुलगुरू प्रो. कुमुद शर्मा म्हणाल्या की राष्ट्रनिर्मितीत आदिवासींच्या भूमिकेवर पुरेशी चर्चा झाली नाही. हिंदी भाषेच्या प्रसारासाठी त्यांच्या भाषांवर काम करणे आवश्यक आहे. आदिवासी संस्कृती आणि उत्सव हे त्यांच्या समृद्ध वारशाचे दर्शन घडवतात. विकसित भारताच्या दिशेने जाण्यासाठी आपल्याला त्यांचा आदर्श स्वीकारावा लागेल.

प्रो. कट्टीमणी यांचे स्वागत कुलगुरू प्रो. कुमुद शर्मायांनी शाल, विश्वविद्यालयाचे प्रतीकचिन्ह आणि सूतमाळा देऊन केले. अतिथींनी दीपप्रज्ज्वलन आणि बिरसा मुंडा यांच्या छायाचित्रास पुष्प अर्पण करून अभिवादन केले.

व्याख्यानापूर्वी जनजाती नायकांवर आधारित चित्रप्रदर्शनाचे उद्घाटन कुलगुरू प्रो. कुमुद शर्मा आणि प्रो. टी. व्ही. कट्टीमणी यांनी अटल बिहारी वाजपेयी भवन येथे केले. प्रदर्शन १५ नोव्हेंबरपर्यंत सर्वांसाठी खुले राहील.

कार्यक्रमाचे स्वागत भाषण संस्कृती विद्यापीठाचे अधिष्ठाता प्रो. अवधेश कुमार यांनी केले. संचालन हिंदी साहित्य विभागाचे सहायक प्राध्यापक डॉ. सुनील कुमार यांनी केलेतर आभार प्रदर्शन कुलसचिव कादर नवाज खान यांनी केले. कार्यक्रमाची सुरुवात कुलगीताने आणि सांगता राष्ट्रगीताने झाली. या वेळी अध्यापक, कर्मचारी, शोधार्थी आणि विद्यार्थी मोठ्या संख्येने उपस्थित होते.

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत
ई-मेल/E-mail: pro.mgahv@hindivishwa.ac.in **वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org**
दूरभाष :+91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305